हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय

श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड–246174

प्रो. गुड्डी बिष्ट पंवार
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
हे.न.ब.ग. केन्द्रीय वि. वि. श्रीनगर (ग.)

कला, संचार एवं भाषा संकाय

पाठ्यक्रम

हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा–विभाग

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के अनुरूप)

बी॰ए॰ प्रथम सेमेस्टर से चतुर्थ सेमेस्टर तक

(सत्र 2026–27 से लागू)

प्रो. गुड्डी बिष्ट पंवार
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
हे.न.ब.ग. केन्द्रीय वि. वि. श्रीनगर (ग.)

सत्र 2026–27 से लागू

बी॰ए॰ प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर)

Course Category	Semester-I		
	Subject/Title		Credits
Discipline Specific Core (2 Subjects)	DSC-I (Major)	आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता	4
	DSC-I (Minor)	Subject II	4
M.D/I.D (Minor)-1 Subject	M.D/I.D (M)-I	गढ़वाली : परिचय एवं विकास	4
M.D/I.D (SEC)	M.D-SEC-I	विश्वविद्यालय द्वारा तैयार	3
SEC/AEC	SEC-AMSC Or AEC- Communication Skills	AMSC **OR** संचार कौशल	3
VAC	Understanding and connecting with Environment Or Life Skills & Personality Development	विश्वविद्यालय द्वारा तैयार	2
		Total	20

Course Category	Semester-II		
	Subject/Title		Credits
Discipline Specific Core (2 Subjects)	DSC-II (Major)	आधुनिक गद्य	4
	DSC-II (Minor)	Subject II	4
M.D/I.D (Minor)-1 Subject	M.D/I.D (M)-II	गढ़वाली साहित्य : विविध आयाम	4
M.D/I.D (SEC)	M.D-SEC-II	विश्वविद्यालय द्वारा तैयार	3
AEC/SEC	AEC- Communication Skills Or SEC-AMSC	संचार कौशल **OR** AMSC	3
VAC	Understanding and connecting with Environment Or Life Skills & Personality Development	विश्वविद्यालय द्वारा तैयार	2
		Total	20

नोट – हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा–विभाग, **M.D./I.D.** कोर्स के अंतर्गत 'गढ़वाली लोक साहित्य' विषय को मुख्य पाठ्यक्रम में शामिल कर रहा है।

प्रो० गुड्डी बिष्ट
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
हे०न०ब०ग०० केन्द्रीय वि० वि० श्रीनगर (गढ़

सत्र 2026–27 से लागू

बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर)

Course Category	Semester-III		
	Subject/Title		Credits
Major-I (One Subject Major)	DSC (Major)-III	हिंदी साहित्य का इतिहास	5
Minor-I (One Subject)	DSC (Minor)-I	आधुनिक हिंदी कविता	4
SEC	SEC (Major)	कंप्यूटर और हिंदी	3
M.D/I.D- Subject-1 (Minor)	M.D/I.D-III	बीसवीं सदी (पूर्वार्द्ध) का गढ़वाली साहित्य	4
AEC (Language based courses)	Indian, Modern, Regional Language-I	हिंदी भाषा और व्याकरण	2
VAC/AEC	IKS Or Culture, traditions and moral values	विश्वविद्यालय द्वारा तैयार	2
		Total	20
Course Category	**Semester-IV**		
	Subject/Title		**Credits**
Major-I (One Subject Major)	DSC (Major)-IV	हिंदी कहानी	5
Minor-I (One Subject)	DSC (Minor)-II	साहित्य, संस्कृति एवं सिनेमा	4
SEC	SEC (Major)	कार्यालयी हिंदी	3
M.D/I.D- Subject-1 (Minor)	M.D/I.D-IV	बीसवीं सदी (उत्तरार्द्ध) का गढ़वाली साहित्य	4
AEC (Language based courses)	Indian, Modern, Regional Language-II	हिंदी भाषा और व्याकरण	2
VAC/AEC	IKS Or Culture, traditions and moral values	विश्वविद्यालय द्वारा तैयार	2
		Total	20

प्रो0 गुड्डी बिष्ट
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
हे0न0ब0गढ़0 केन्द्रीय वि0 वि0 श्रीनगर (गढ़

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 4

इकाई–1

- **चंदबरदाई**

  पृथ्वीराज रासो (कैमास करनाटी प्रसंग)

  कवित्त 1, 2, 3, 4

  (संग्रह – संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो, संपादक : हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह)

- **विद्यापति**

  माधव, बहुत मिनति कर तोय पद स. 3

  नंदक नंदन कदम्बक तरुतरे पद स. 8

  देख–देख राधा रूप अपार पद स. 10

  चाँद–सार लएमुख घटना करू पद स. 14

  (संग्रह – विद्यापति–पदावली, डॉ0 शिवप्रसाद सिंह)

इकाई–2

- **कबीर**

  साखी, 1, 3, 11, 12, 20

  (संग्रह – कबीर ग्रंथावली, संपादक : डॉ0 श्यामसुंदर दास)

- **जायसी**

  नागमती वियोग खंड

  कड़वक छंद 1, 4, 9, 12, 14

  (संग्रह – जायसी ग्रंथावली, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

इकाई–3

- **तुलसीदास**

  बालकाण्ड चौपाई 3, 5, 17

  अयोध्याकाण्ड चौपाई 1, 5

  (संग्रह – कवितावली, गीताप्रेस गोरखपुर)

- **सूरदास**

  भ्रमरगीत सार

  राग सारंग 1, राग टोड़ी 7, राग सारंग 9, राग काफी 23, राग मलार 57

  (संग्रह – भ्रमरगीत सार, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

इकाई–4

- **बिहारी**

  बिहारी रत्नाकर

  दोहा 1, 32, 38, 42, 73

  (संग्रह – बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथ रत्नाकर)

- **घनानंद**

  घनानंद–कवित्त

  सवैया 2, कवित्त 5, 7, सवैया 8, 11

  (संग्रह – घनानंद–कवित्त प्रथम शतक, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या भाग सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. पृथ्वीराज रासो संक्षिप्त, संपादक : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. जायसी ग्रंथावली, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. कबीर ग्रंथावली : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. विद्यापति : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. कवितावली : गीताप्रेस गोरखपुर, गोरखपुर।
7. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. भ्रमरगीत सार, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथदास रत्नाकर, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
10. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन : रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
11. रीतिकाल की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
12. घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, काशी।

बी॰ए॰ प्रथम सेमेस्टर
विषय – गढ़वाली लोक साहित्य (I)
(Multidisciplinary-I/Interdisciplinary-I)
प्रश्नपत्र – गढ़वाली : परिचय एवं विकास

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 4

इकाई–1

- गढ़वाली का उद्‌भव
- गढ़वाली का विकास

इकाई–2

- गढ़वाली के विविध रूप
- गढ़वाली की प्रमुख उपबोलियों का परिचय

इकाई–3 :

- गढ़वाली : शब्द–संपदा
- गढ़वाली : वाक्य विन्यास

इकाई–4 :

- गढ़वाली : भाषिक वैशिष्ट्य
- गढ़वाली : भाषिक सौंदर्य

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. गढ़वाल के लोकनृत्य एवं गीत – डॉ॰ शिवानंद नौटियाल।
2. गढ़वाल का सांस्कृतिक वैभव – डॉ॰ शिवानंद नौटियाल।
3. गढ़वाली लोक साहित्य की प्रस्तावना – मोहनलाल बाबुलकर।
4. गढ़वाली लोक साहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन – मोहनलाल बाबुलकर।
5. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ॰ हरिदत्त भट्‌ट।
6. गढ़वाली लोकगीत विविधा – डॉ॰ गोविंद चातक।
7. राहुल सांकृत्यायन, कृष्णदेव उपाध्याय – हिंदी का लोक साहित्य।

स्नातक प्रथम/द्वितीय सेमेस्टर
संचार कौशल
(Communication Skills)

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 3

इकाई–1 : संचार कौशल

- परिचय, अर्थ एवं महत्व
- संचार की प्रक्रिया
- संचार की बाधाएं
- संचार कौशल के गुण
  - बोलने और सुनने का महत्व
  - भाषण कला
  - प्रभावी लेखन

इकाई–2 : संचार के प्रकार

- मौखिक संचार
- लिखित संचार
- अ ाब्दिक संचार
- दृ य संचार
- डिजिटल मीडिया और संचार

इकाई–3 : साक्षात्कार

- साक्षात्कार और वार्ता
- साक्षात्कार की प्रक्रिया
- साक्षात्कार कौ ाल
- मौखिक और लिखित साक्षात्कार

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी भाषा शिक्षण – भोलानाथ तिवारी।
2. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्णकुमार गोस्वामी।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – नरेश मिश्र।
4. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा।
5. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप – चतुर्भुज सहाय।
6. हिंदी शिक्षण और भाषा विश्लेषण – विजय राघव।

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
आधुनिक गद्य

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 4

इकाई–1 : उपन्यास

- चित्रलेखा – भगवतीचरण शर्मा

इकाई–2 : कहानियां

- पूस की रात – प्रेमचंद
- आर्द्रा – मोहन राकेश
- तरपन – हिमांशु जोशी

इकाई–3 : नाटक

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई–4 : निबंध

- मजदूरी और प्रेम – अध्यापक पूर्ण सिंह
- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेंदु

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. कहानी, नई कहानी – डॉ0 नामवर सिंह
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख – डॉ0 इंद्रनाथ मदान
3. कहानी : संवाद का तीसरा आयाम – डॉ0 बटरोही
4. समकालीन हिंदी कविता – गंगा प्रसाद विमल
5. साठोत्तर हिंदी कहानी – डॉ0 के0 एम0 मालती
6. हिंदी नाटक की भूमिका मध्य वर्ग के संदर्भ में – डॉ0 मूलचंद
7. हिंदी उपन्यास शिल्प और प्रयोग – डॉ0 त्रिभुवन सिंह
8. हिंदी उपन्यास – डॉ0 रामदरश मिश्र
9. उपन्यासकार भगवतीचरण वर्मा – बृजनारायण
10. हिंदी उपन्यास – डॉ0 गणेशन
11. समकालीन हिंदी उपन्यास – डॉ0 प्रेमकुमार
12. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – डॉ0 गोविंद चातक
13. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष – डॉ0 रामदरश मिश्र

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
विषय – गढ़वाली लोक साहित्य (II)
(Multidisciplinary-II/Interdisciplinary-II)
प्रश्नपत्र – गढ़वाली साहित्य : विविध आयाम

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 4

इकाई–1

- गढ़वाल : परिचय
- गढ़वाल : साहित्यिक परिचय

इकाई–2

- गढ़वाली लोकगीत
- लोक विश्वास

इकाई–3

- लोक कथाएं
- गढ़वाली लोकगाथाएं

इकाई–4

- लोकोक्तियां
- लोक संस्कार

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. गढ़वाल का इतिहास – हरिकृष्ण रतूड़ी।
2. गढ़वाली साहित्य का उद्‌भव और विकास – डॉ॰ गोविंद चातक।
3. गढ़वाली लोक मानस – डॉ॰ शिवानंद नौटियाल।
4. भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ : मध्य हिमालय – गोविंद चातक।

स्नातक प्रथम/द्वितीय सेमेस्टर
संचार कौशल
(Communication Skills)

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 3

इकाई–1 : संचार कौशल

- परिचय, अर्थ एवं महत्व
- संचार की प्रक्रिया
- संचार की बाधाएं
- संचार कौशल के गुण
  - बोलने और सुनने का महत्व
  - भाषण कला
  - प्रभावी लेखन

इकाई–2 : संचार के प्रकार

- मौखिक संचार
- लिखित संचार
- अ ाब्दिक संचार
- दृ य संचार
- डिजिटल मीडिया और संचार

इकाई–3 : साक्षात्कार

- साक्षात्कार और वार्ता
- साक्षात्कार की प्रक्रिया
- साक्षात्कार कौ ाल
- मौखिक और लिखित साक्षात्कार

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी भाषा शिक्षण – भोलानाथ तिवारी।
2. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्णकुमार गोस्वामी।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – नरेश मिश्र।
4. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा।
5. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप – चतुर्भुज सहाय।
6. हिंदी शिक्षण और भाषा विश्लेषण – विजय राघव।

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
हिंदी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 5

इकाई–1 : आदिकाल

- हिंदी साहित्य लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण
- आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां
- सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य
- रासो साहित्य

इकाई–2 : भक्तिकाल

- भक्तिकाल के उदय की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- भक्ति के प्रमुख संप्रदाय
- निर्गुण एवं सगुण भक्ति
    - निर्गुण : संत काव्य, सूफी काव्य
    - सगुण : राम काव्य, कृष्ण काव्य

इकाई–3 : रीतिकाल

- सीमा और नामकरण
- रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां
- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कविता

इकाई–4 : आधुनिक काल

- हिंदी नवजागरण
- भारतेंदु युग : साहित्यिक प्रवृत्तियां
- द्विवेदी युग : साहित्यिक प्रवृत्तियां
- छायावाद एवं छायावादोत्तर साहित्य का परिचय एवं प्रवृत्तियां
- हिंदी गद्य की प्रमुख्य विधाएं
    - कहानी, उपन्यास, नाटक : सामान्य परिचय

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ0 नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1973
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, जनवरी–2009
3. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, 2008
4. हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, 2015
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, 2018
6. साहित्य का इतिहास–दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, अनन्या प्रकाशन, 2022

बी॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर
आधुनिक हिंदी कविता

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 4

इकाई–1

- भारतेंदु – प्रातः समीरन
- हरिऔध – प्रिय प्रवास (पवन दुति प्रसंग, षष्ठ सर्ग)

इकाई–2

- जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – वह तोड़ती पत्थर
- सुमित्रानंदन पंत – प्रथम रश्मि
- महादेवी वर्मा – पंथ होने दो अपरिचित

इकाई–3

- सुभद्राकुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो बसंत
- चंद्रकुँवर बर्त्वाल – कंकड़–पत्थर
- नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है

इकाई–4

- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – कलगी बाजरे की
- केदारनाथ सिंह – बनारस
- नरेश सक्सेना – नक्शे
- अनामिका – पढ़ा गया हमको जैसे पढ़ा जाता है कागज़

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतेंदु हरिश्चन्द्र ग्रंथावली – प्रकाशन संस्थान : दरियागंज, नई दिल्ली।
2. हरिऔध – प्रिय प्रवास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. जयशंकर प्रसाद – लहर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – अपरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
5. सुमित्रानंदन पंत – वीणा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. महादेवी वर्मा – दीपशिखा, प्रकाशन संस्थान : दरियागंज, नई दिल्ली।
7. सुभद्राकुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो बसंत, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयागराज।
8. चंद्रकुँवर बर्त्वाल – कंकड़–पत्थर, साहित्य अकादमी दिल्ली।
9. नागार्जुन – युगधारा, यात्री प्रकाशन दिल्ली।
10. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'– हरी घास पर क्षण भर, भारतीय ज्ञानपीठ।
11. केदारनाथ सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल दिल्ली।
12. अनामिका – पचास कविताएँ, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
13. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल दिल्ली।
14. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह, राजकमल दिल्ली।
15. समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
16. निराला कवि–छवि : संपादक– नंदकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
17. महादेवी – संपादक– इन्द्रनाथ मदान,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
18. पुनर्मुल्यांकन प्रियप्रवास साकेत कामायनी उर्वशी – नंदकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
19. साठोत्तरी हिंदी कविता में जनवादी चेतना – नरेद्र सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

बी॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर
कंप्यूटर और हिंदी

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 3

इकाई–1 : कंप्यूटर में हिंदी का आरंभ एवं विकास

- हिंदी में विविध फॉन्ट
- यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा
- कंप्यूटर के क्षेत्र में हिंदी की संभावनाएं
- हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी
  - इंटरनेट और हिंदी
  - वेबसाइट्स, वेब डिजाइनिंग और हिंदी

इकाई–2 : हिंदी भाषा, कंप्यूटर और गवर्नेंस

- हिंदी भाषा और ई–लर्निंग
- ई–गवर्नेंस, इंटरनेट
- राजभाषा हिंदी के प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका

इकाई–3 : हिंदी भाषा, कंप्यूटर और मीडिया

- एस0एम0एस0 की हिंदी
- ई–मीडिया और हिंदी
- ई–पत्रकारिता
- न्यू मीडिया और हिंदी

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी भाषा और कंप्यूटर – संतोष गोयल
2. कंप्यूटर और हिंदी – हरिमोहन
3. कंप्यूटर के मौखिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
4. पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार
5. नए जमाने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ल
6. मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज – संजय द्विवेदी (संपा0)
7. कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा–सिद्धांत – पी0के0शर्मा
8. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का समाज – संजय द्विवेदी (संपा0)
9. जनसंचार – डॉ0 राधेश्याम शर्मा
10. जनसंचार के सामाजिक संदर्भ – जबरीमल्ल पारख

बी॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर
विषय – गढ़वाली लोक साहित्य (III)
(Multidisciplinary/Interdisciplinary-III)
प्रश्नपत्र – बीसवीं सदी (पूर्वार्द्ध) का गढ़वाली साहित्य

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 4

इकाई–1

- बीसवीं शताब्दी (पूर्वार्द्ध) का गढ़वाली साहित्य : सामान्य परिचय
- बीसवीं शताब्दी (पूर्वार्द्ध) के गढ़वाली साहित्य के प्रमुख रचनाकार

इकाई–2

- मुक्तव्य काव्य : उठा गढ़वालियों! (सत्यशरण रतूड़ी), चक्रधर बहुगुणा (मोछंगं)
- प्रबंध काव्य : सदेई (तारादत्त गैरोला)

इकाई–3

- कहानी : गढ़वाली ठाट (सदानंद कुकरेती), ब्वारी (भगवती प्रसाद पांथरी)

इकाई–4

- नाटक : प्रह्लाद (भवानी दत्त थपलियाल)
- निबंध : पंच–प्रहरी (बलदेव प्रसाद नौटियाल)

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. गढ़वाली काव्य संकलन – ललित वैष्णव (प्रकाशक)।
2. गाड म्यटेकि गंगा – अबोध बंधु बहुगुणा।
3. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ0 हरिकृष्ण भट्ट 'शैलेश'।
4. गढ़वाली काव्य का उद्भव, विकास एवं वैशिष्ट्य – डॉ0 जगदंबा प्रसाद कोटनाला।
5. गढ़वाली गद्य परंपरा – डॉ0 अनिल डबराल।

स्नातक तृतीय/चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी भाषा और व्याकरण
(Language)

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 2

इकाई–1

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- हिंदी भाषा का उद्भव
- हिंदी भाषा का क्रमिक विकास
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध

इकाई–2

- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएं
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियां – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया
- स्रोत के आधार पर शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी
- लिंग, वचन, कारक, संधि एवं समास

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरू, इंडियन प्रेस लिमिटेड प्रयाग, 1984
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, डॉ0 वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन, 2025–26
3. नालंदा सामान्य हिंदी, डॉ0 पृथ्वीनाथ पांडेय, नालंदा पब्लिशिंग हाउस, प्रयागराज, 37वां संस्करण–2026
4. हिंदी शब्द–अर्थ–प्रयोग, डॉ0 हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, प्रयागराज, नवीनतम संस्करण–2025

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी कहानी

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 5

इकाई–1

- कहानी का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- हिंदी कहानी का विकासक्रम
- कहानी आंदोलन और नई कहानी
- कहानी और हिंदी आलोचना

इकाई–2

- उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
- यह मेरी मातृभूमि है – प्रेमचंद
- गुंडा – जयशंकर प्रसाद

इकाई–3

- हिली बोन की बत्तखें – अज्ञेय
- कोसी का घटवार – शेखर जोशी
- जिंदगी और जोंक – अमर कान्त

इकाई–4

- इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर – हरिशंकर परसाई
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई–5

- परिंदे – निर्मल वर्मा
- सोना – विद्यासागर नौटियाल
- छप्पन तोले का करधन – उदय प्रकाश

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, संस्करण–2025
2. हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2015
3. हिंदी कहानी समीक्षा : उद्‌भव और विकास – बृज भूषण शर्मा, कला प्रकाशन, संस्करण–2010
4. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण–2018

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
साहित्य, संस्कृति और सिनेमा

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 4

इकाई–1 : साहित्य, संस्कृति और सिनेमा

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा : परिभाषा और स्वरूप
- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा का अंतःसंबंध

इकाई–2 : साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा

- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा : परिकल्पना और यथार्थ
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा की प्रासंगिकता
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा –
  - आनंदमठ (1952), तीसरी कसम (1966)
  - देवदास (2002), पद्मावत (2016)

इकाई–3 : हिंदी सिनेमा में सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति

- सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्य का सामाजिक संदर्भ
- सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्यों की सिनेमाई अभिव्यक्ति
- प्रमुख फिल्मों का विवेचन और विश्लेषण –
  - मदर इण्डिया (1957), पूरब पश्चिम (1970)
  - विवाह (2006), टॉयलेट : एक प्रेमकथा (2017)

इकाई–4 : हिंदी सिनेमा : सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दे

- राष्ट्रवाद एवं ऐतिहासिक चेतना
- ग्रामीण बनाम शहरी जीवन
- जाति, वर्ग एवं लैंगिक असमानता
- वैश्वीकरण और हिंदी सिनेमा
- समानांतर सिनेमा

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. सिनेमा और यथार्थ – मृदुला पंडित।
2. सिनेमा में नारी – शमीम खान।
3. साहित्य, कला और सिनेमा अंतःसंबंधों की पड़ताल – जबरी मल्ल पारीख।
4. भारमीय सिने सिद्धांत – अनुपमा ओझा।
5. साहित्य और सिनेमा के अंतःसंबंध – नीरा जलक्षत्रि।

बी॰ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर
कार्यालयी हिंदी

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 3

इकाई–1 : कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, क्षेत्र तथा उद्देश्य

- अभिप्राय क्षेत्र एवं उद्देश्य
- सामान्य एवं कार्यालयी हिंदी में अंतःसंबंध
- कार्यालयी हिंदी की स्थिति एवं संभावनाएं

इकाई–2 : कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप

- सामान्य परिचय
- आवेदन लेखन एवं रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, निविदा आदि)

इकाई–3 : टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण

- संक्षेपण का अर्थ, प्रकार एवं विशेषताएं
- टिप्पण का स्वरूप, भाषा शैली तथा विशेषताएं
- प्रारूपण का अर्थ, प्रविधि तथा भाषा शैली

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश सिंहल
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे
4. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय
5. हिंदी की विकास यात्रा – डॉ0 रामप्रकाश
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ0 रामप्रकाश
7. प्रशासनिक पत्राचार – ठाकुरदास
8. भारत सरकार की राजभाषा नीति – रामवीर सिंह

बी॰ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर
विषय – गढ़वाली लोक साहित्य (IV)
(Multidisciplinary/Interdisciplinary-IV)
प्रश्नपत्र – बीसवीं सदी (उत्तरार्द्ध) का गढ़वाली साहित्य

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 4

इकाई–1

- बीसवीं शताब्दी (उत्तरार्द्ध) का गढ़वाली साहित्य : सामान्य परिचय
- बीसवीं शताब्दी (उत्तरार्द्ध) के गढ़वाली साहित्य के प्रमुख रचनाकार

इकाई–2

- मुक्तव्य काव्य : सग्वड़ी सैर (कन्हैयालाल डंडरियाल), कविता(नेत्र सिंह असवाल)
- प्रबंध काव्य : भूम्याल (प्रथम सर्ग 'भूमि') (अबोध बंधु बहुगुणा)

इकाई–3

- कहानी : एक डुंडा खच्चर की कथा (मोहनलाल नेगी), गैत्री की ब्वे (सुदामा प्रसाद प्रेमी)
- उपन्यास : पारबती (अंश 01 से 03) (महावीर प्रसाद गैरोला)

इकाई–4

- नाटक : अछयूँ का ताल (ललित मोहन थपलियाल)
- निबंध : गढ़वाली भासा अर साइत्त (श्याम चंद्र नेगी)

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. गढ़वाली का निबंध – आचार्य गोपेश्वर कोठियाल (संपादक)।
2. गाड म्येटिक गंगा – अबोधबंधु बहुगुणा।
3. पारबती – महावीर प्रसाद गैरोला।
4. अंग्वाळ (संपादक– मदन डुकलान, गिरीश सुंदरियाल)।
5. गढ़वाली काव्य का उद्भव, विकास एवं वैशिष्ट्य – डॉ0 जगदंबा प्रसाद कोटनाला।
6. गढ़वाली गद्य परंपरा – डॉ0 अनिल डबराल।

स्नातक तृतीय/चतुर्थ सेमेस्टर
हिंदी भाषा और व्याकरण
(Language)

पूर्णांक = 100 (70+30)
क्रेडिट = 2

इकाई–1

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- हिंदी भाषा का उद्भव
- हिंदी भाषा का क्रमिक विकास
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध

इकाई–2

- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएं
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियां – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया
- स्रोत के आधार पर शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी
- लिंग, वचन, कारक, संधि एवं समास

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरू, इंडियन प्रेस लिमिटेड प्रयाग, 1984
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, डॉ0 वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन, 2025–26
3. नालंदा सामान्य हिंदी, डॉ0 पृथ्वीनाथ पांडेय, नालंदा पब्लिशिंग हाउस, प्रयागराज, 37वां संस्करण–2026
4. हिंदी शब्द–अर्थ–प्रयोग, डॉ0 हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, प्रयागराज, नवीनतम संस्करण–2025

प्रो0 गुड्डी बिष्ट
संयोजक एवं अध्यक्ष,हिन्दी विभाग
हे0न0ब0ग0 केन्द्रीय वि0 वि0 श्रीनगर (ग0